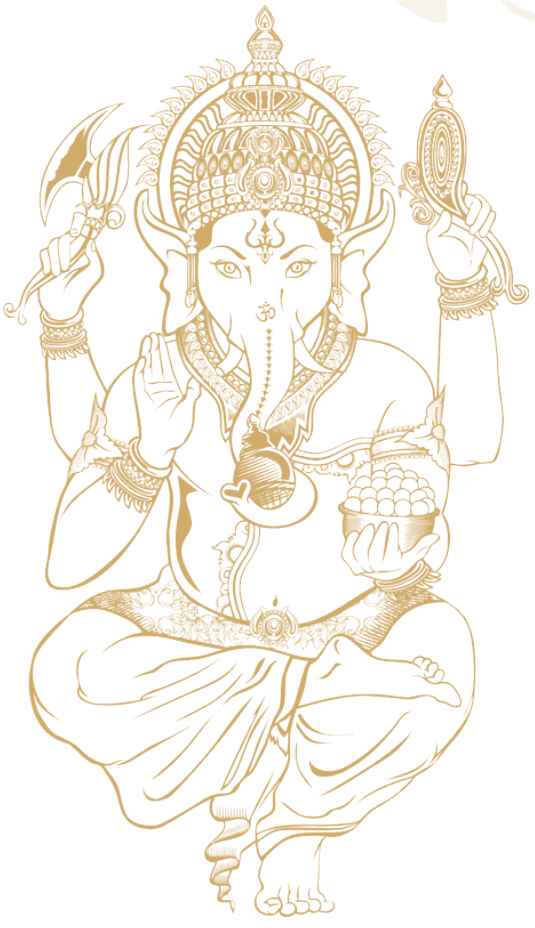

Manish

Janvhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121403703

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
02/11/1999 :	जन्म तिथि	:	07/06/2004
मंगळवार :	दिवस	:	सोमवार
कला 10:30:00 :	जन्म समय	:	08:00:00 कला
घटी 09:58:47 :	जन्म समय(घटी)	:	05:36:26 घटी
India :	देश	:	India
Jalgaon :	स्थान	:	Surat
21:01:00 उत्तर :	अक्षांश	:	21:10:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व :	रेखांश	:	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:27:24 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:38:40 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
06:30:29 :	सूर्योदय	:	05:56:23
17:51:26 :	सूर्यास्त	:	19:18:51
23:51:02 :	लाहिरी अयनांश	:	23:54:57

विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 6मा 6दि

रवि	10/05/2023
	09/05/2029
रवि	27/08/2023
चन्द्र	26/02/2024
मंगळ	03/07/2024
राहु	27/05/2025
गुरु	16/03/2026
शनि	26/02/2027
बुध	02/01/2028
केतु	09/05/2028
शुक्र	09/05/2029

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
08:04:32	धनु	लग्न	मिथु	20:20:11
15:28:13	तुला	सूर्य	वृष	22:46:08
06:38:01	सिंह	चंद्र	मक	17:48:35
17:58:16	धनु	मंगळ	मिथु	25:31:09
07:18:51	वृश्चि	बुध	वृष	09:06:21
04:48:51	मेष व	गुरु	सिंह	16:35:03
28:59:49	सिंह	शुक्र व	वृष	24:45:48
20:12:08	मेष व	शनि	मिथु	18:54:16
14:40:34	कर्क व	राहु व	मेष	16:47:01
14:40:34	मक व	केतु व	तुला	16:47:01
19:03:15	मक	हर्ष	कुंभ	12:52:30
07:50:22	मक	नेप व	मक	21:21:55
15:20:04	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:06:22

विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 1मा 21दि

राहु	30/07/2015
	29/07/2033
राहु	11/04/2018
गुरु	04/09/2020
शनि	11/07/2023
बुध	28/01/2026
केतु	15/02/2027
शुक्र	15/02/2030
रवि	10/01/2031
चन्द्र	11/07/2032
मंगळ	29/07/2033

लग्न–चलित

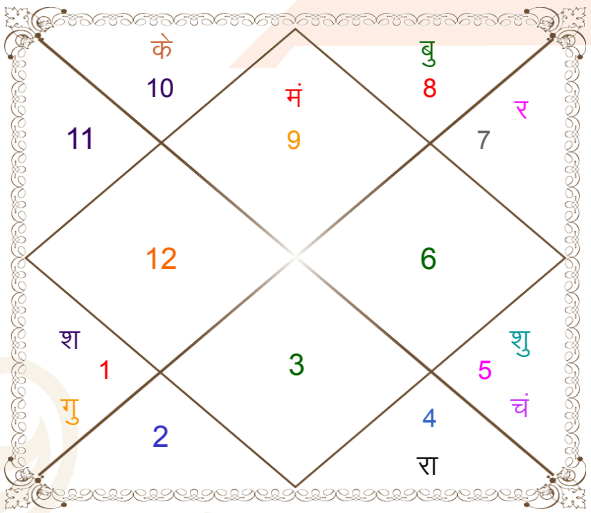

लग्न–चलित

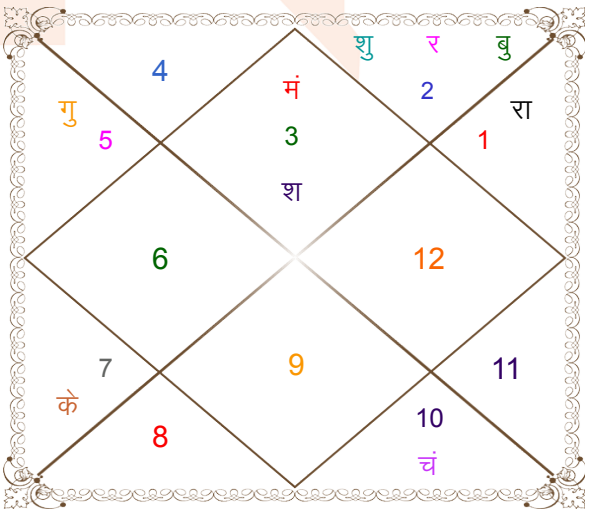

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	––	भाग्य
योनि	उंदीर	वानर	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	रवि	शनि	5	0.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	––	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	आह	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	आह	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**6.50**		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नाहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Janvhi का नक्षत्र श्रवण है।

Manish का वर्ग उंदीर है तथा Janvhi का वर्ग मांजर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manish और Janvhi का मिलान ठीक नाहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Manish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Janvhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Janvhi कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Janvhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Manish तथा Janvhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।